लाड़ली राधिका स्वामिनी राधिका ये तेरा बरसाना लिरिक्स

लाड़ली राधिका,
स्वामिनी राधिका,
ये तेरा बरसाना,
यही पे मर जाना।bd।

तर्ज – मुकुट सिरमौर का।

मैं तो आई थी किशोरी,
दर्श तेरा पाने,
ऐसा लगा यही पर,
गुजरे ज़माने,
देखि जो ये अटारी,
मैं सुधबुध हारी,
की भूल ना जाना,
यही पे बस जाना,
ये तेरा बरसाना,
यही पे मर जाना।bd।

बरसाने में देखा,
अद्भुत नज़ारा,
जब भी भुजाएं उठाकर,
तुझको पुकारा,
वो तेरा आ जाना,
हौले से मुस्काना,
गजब शर्माना,
उसी पे मर जाना,
ये तेरा बरसाना,
यही पे मर जाना।bd।

अपना लिया है किशोरी,
यही कुछ क्या कम है,
सारे जहाँ में हरिदासी,
अधम है,
भजन किया ना,
तेरा नाम लिया ना,
तू फिर भी निभाना,
भूल को भी निभाना,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ये तेरा बरसाना,
यही पे मर जाना।bd।

लाड़ली राधिका,
स्वामिनी राधिका,
ये तेरा बरसाना,
यही पे मर जाना।bd।

स्वर – पूनम दीदी जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com